सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 323 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 1 जनवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

माता-पिता का सम्मान किया जाना चाहिए और बड़ों का भी, जीवित प्राणियों के प्रति दयालुता को मजबूत किया जाना चाहिए और सत्य बोला जाना चाहिए।
-सम्राट अशोक

छह बल्लेबाजों के साथ उतर सकता... 7 | पूरे देश में आक्रोश, उड़ेगा सरकार... 3 | महाकुंभ में भाजपा कर रही भेदभाव... 2

दिल्ली चुनाव : बीजेपी के टूटे सपने, बिगड़ी चाल

पुजारी-ग्रंथी योजना बन रही केजरीवाल की ढाल

» बढ़चढ़कर हो रहा योजना का रजिस्ट्रेशन

» पुजारियों और ग्रंथियों में उत्साह मिलेंगे 18 हजार रुपये महीना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में 'पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना' के तहत मंदिर के पुजारियों और गुरुद्वारे के ग्रंथियों के पंजीकरण की शुरुआत हो गई और इसके सकारात्मक रुझान भी सामने आने लगे है। योजना के पहले ही दिन बड़ी संख्या में मंदिरों और गुरूद्वारे के ग्रंथियों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया।

पुजारियों में उत्साह को देखते हुए बीजेपी के चेहरे की चुनावी रंगत उड़ती हुई साफ दिखाई दे रही है। बीजेपी ने इस योजना की आलोचना के साथ केजरीवाल पर चुनावी हिंदू होने का आरोप लगाना शुरू कर दिया है। पिछले 10 वर्षों से दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार है। उससे पहले के 15 वर्षों तक दिल्ली में कांग्रेस की शीला दीक्षित की सरकार रही। दिल्ली पर शासन करने का बीजेपी का सपना पिछले 25 वर्षों से तो पूरा हो नहीं पा रहा। इस बार केजरीवाल को सीएम पद से हटाने के बाद बीजेपी को लगा था कि उसका यह सपना पूरा हो जाएगा। लेकिन 'पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना' ने आम आदमी पार्टी का दिल्ली में महौल बना दिया है। पुजारी/ग्रांथी किसी भी राजनीतिक दल से जुड़े हों लेकिन वह केजरीवाल की इस योजना की तारीफ करते हुए दिखायी दे रहे हैं।

केजरीवाल का चुनावी सिक्सर, दिल्ली में बीजेपी ढेर

मंदिरों और गुरुद्धारों ने किया योजना का स्वागत

कालकाजी मंदिर के पुरोहित सुनील सन्नी ने इस योजना की तारीफ करते हुए कहा कि यह योजना पुजारियों और ग्रंथियों के लिए एक अच्छी घोषणा है। अगर सरकार इस योजना को पूरी तरह से लागू करने में सफल होती है तो यह एक अच्छा कदम होगा। कालका माता सबकी मनोकामना पूरी करती है। कालकाजी मंदिर के एक अन्य पुरोहित पवन भारद्वाज ने कहा कि घोषणा तो अच्छी है, बस पैसा मिलना शुरू हो जाए।

बीजेपी का 'आप पर हमला' पर केजरीवाल मजबूत

बीजेपी ने आम आदमी पार्टी पर कई हमले किए हैं, लेकिन यह सच है कि केजरीवाल और उनकी पार्टी ने दिल्ली में अपनी पहचान बनाई है। खासकर, दिल्ली की शिक्षा प्रणाली और स्वास्थ्य सेवाओं में किए गए सुधारों ने उन्हें जनता के बीच एक सकारात्मक छवि दी है। बीजेपी लगातार इस पर सवाल उठा रही है, लेकिन इन आरोपों का ज्यादा असर नहीं हुआ है। इस बार के दिल्ली चुनावों में बीजेपी के लिए केजरीवाल का अहित करना मुश्किल हो रहा है। बीजेपी की रणनीति अब यह है कि वह केजरीवाल को भ्रष्टाचार और रेवड़ी कल्चर के आरोपों से घेरने की कोशिश करे, लेकिन अब तक इस तरह के आरोपों का कोई खास असर नहीं पड़ा। दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी ने अपने रेवड़ी कल्चर को जनता के लिए फायदेमंद योजनाओं के रूप में प्रचारित किया है।

आप संयोजक ने भागवत को लिखी चिट्ठी, भाजपा ने किया पलटवार

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने संघ प्रमुख मोहन भागवत को चिट्ठी लिखी। केजरीवाल ने अपनी चिट्ठी में आरएसएस प्रमुख से कई सवाल पूछे। अरविंद केजरीवाल ने नए साल के पहले दिन ही चिट्ठी लिखकर भाजपा पर निशाना साधा। मोहन भागवत को लिखी चिट्ठी में केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने पिछले दिनों में जो भी गलत किया है क्या आरएसएस उसका समर्थन करती है। भाजपा के नेता खुलकर पैसे बांट रहे हैं, क्या आरएसएस वोट खरीदने का समर्थन करती है। आगे पूछा कि बड़े स्तर पर दलित, पूर्वांचलियों के वोट काटे जा रहे हैं। क्या आरएसएस को लगता है ये जनतंत्र के लिए सही है। वहीं आखिर में पूछा कि क्या आरएसएस को नहीं लगता है कि भाजपा जनतंत्र को कमजोर कर रही है। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को चिट्ठी लिखी है। वीरेंद्र सचदेवा ने पत्र में लिखा कि आपको नए साल की शुभकामनाएं। आपके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की मंगलकामना करता हूं। हम सभी बचपन से ही, नव वर्ष के दिन में बुरी आदतों को छोड़ने और अच्छे और कुछ नए कार्य करने का संकल्प लेते हैं।

"पुजारी और ग्रंथियों को परिवार के संचालन के लिए सहयोग मिले। योजना को लेकर लाभार्थियों में काफी उत्साह है। मैं तहे दिल से योजना की सफलता की ईश्वर से कामना करता हूं। काफी समय से लोगों के मन में इसको लेकर चिंतन चल रहा था। लोगों का मानना था कि जो लोग इस धार्मिक कार्य से जुड़े हैं उन्हें भी मदद मिलनी चाहिए। इस योजना को लेकर उनमें काफी उत्साह और प्रसन्नता है।
गोपाल राय, पर्यावरण मंत्री, दिल्ली सरकार

"दिल्ली में एक बार फिर आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद, सभी पुजारी और ग्रंथियों को 18 हजार रुपये प्रतिमाह सम्मान राशि दी जाएगी। इससे वे अपने कार्य को और बेहतर तरीके से आगे संचालित कर सकेंगे।
अरविंद केजरीवाल, संस्थापक आम आदमी पार्टी, पूर्व मुख्यमंत्री दिल्ली

"आज ब्राह्मण अत्यंत दयनीय आर्थिक स्थिति से गुजर रहा है। यह कार्य बहुत पहले हो जाना चाहिए था। केजरीवाल की यह पहल है बहुत ही सराहनीय है। हम इस योजना का हृदय से स्वागत करते हैं।
आचार्य बृजेश शर्मा, सनातन ब्राह्मण स्वाभिमान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

"हम देश और दिल्ली को अरविंद केजरीवाल का सच दिखा रहे हैं। उन्होंने राम मंदिर, भगवान कृष्ण, स्वास्तिक निशान का विरोध किया। सुदर्शन चक्र के बारे में अपशब्द बोले। अब चुनाव सिर पर हैं तो केजरीवाल अचानक चुनावी हिंदू हो गए।
वीरेंद्र सचदेवा,भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष

महाकुंभ में भाजपा कर रही भेदभाव : अखिलेश

बोले-खास और आम बनाकर सामाजिक दूरी करने से बाज नहीं आ रहे भाजपाई

» सपा प्रमुख ने कहा- भाजपा सरकार का काम सिर्फ प्रचार में दिखता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ-2025 में अव्यवस्था का आरोप लगाकर भाजपा पर निशाना साधने वाले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने फिर हमला बोला। अखिलेश ने कहा कि भाजपा जमीन पर कोई कार्य नहीं करती है। काम के बजाय सिर्फ उसका प्रचार करती है। महाकुंभ एक पवित्र आयोजन है। यहां देश दुनिया के करोड़ों लोग बिना निमंत्रण और आमंत्रण के आते है, संगम में स्नान कर पुण्य अर्जित करते हैं।

महाकुंभ में आने वाला हर श्रद्धालु बराबर होता है। भाजपा इसमें भी खास और आम बनाकर भेदभाव कर सामाजिक दूरी करने से बाज नहीं आ रही है। पार्टी मुख्यालय के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सपा अध्यक्ष ने कहा कि इस बार कुंभ का पहला स्नान 13 जनवरी 2025 को है, लेकिन अभी तैयारी पूरी नहीं हो पायी है। उन्होंने कहा कि असुविधा और अव्यवस्था की भरमार है। महाकुंभ जैसे पवित्र आयोजन के साथ भी भाजपा सरकार खिलवाड़ कर रही है। इस सरकार का फोकस महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए सुविधा और सहूलियत मुहैया कराने के बजाय अपने प्रचार पर है।

सपा ने किया था महाकुंभ का सफल आयोजन

अखिलेश ने कहा कि 2013 में समाजवादी पार्टी की सरकार में महाकुंभ का सफल आयोजन किया गया था। समाजवादी सरकार में हुए महाकुंभ की देश के साथ विदेश में भी सराहना हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नकारात्मक राजनीति करती है। विपक्षी नेताओं की छवि खराब करने के लिए षड़यंत्र करती है। इस सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था खराब कर दिया है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। भाजपा सरकार और इसके मुख्यमंत्री का कोई विजन नहीं है। संभल की घटना भाजपा सरकार ने जानबूझकर करायी है।

तीर्थयात्री की मृत्यु पर जताया दुख

वहीं, महाकुंभ मेला के केंद्रीय अस्पताल में हृदय रोग विशेषज्ञ न होने के कारण एक तीर्थयात्री की मृत्यु पर उन्होंने दुख जताया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि पूर्ण महाकुंभ में स्वास्थ्य सेवाओं की अग्रिम तैयारी के अभाव में एक तीर्थयात्री की मृत्यु का समाचार दुखद है। सरकार तैयारी पर निगाह रखे और श्रद्धालुओं का जीवन बचाए, यही विनम्र आग्रह है।

जनता में भाजपा से भारी नाराजगी : शिवपाल यादव

» सपा नेता बोले- अफसरों के साथ मिलकर कुंभ के बजट का आनंद ले रही सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जनता में भाजपा सें नाराजगी भी है। जनता जब दुखी होगी, तब निश्चित रूप से भाजपा सरकार हटेगी। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के सवाल पर शिवपाल ने कहा कि बहुत दिनों से कुंभ लग रहा है। जब हमारी सरकार थी हमने भी व्यवस्थाएं की, हम लोगों ने 600 करोड़ रुपए खर्च किए थे। भाजपा सरकार अधिकारियों से मिलकर कुंभ के बजट का आनंद ले रही है।

सपा नेता मंगलवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सपा कार्यकर्ता ललित यादव के माता की तेरहवीं के कार्यक्रम में शिरकत की। अयोध्या पहुंचे शिवपाल यादव ने मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा को निशाने पर रखा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा से अलग होने के अटकलों के सवाल पर शिवपाल ने कहा कि जनता भाजपा से परेशान है। मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर शिवपाल यादव ने कहा कि जितने भी समाजवादी पार्टी के वोट हैं वो काटे जा रहे हैं। ये बेईमान सरकार है। भगवान राम के नाम पर कितने-कितने घटिया काम कर रहे हैं, जनता इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। यहां की जनता ने जिस तरह से लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराया था, उसी तरह से मिल्कीपुर में भी जनता भाजपा को हराएगी।

जनता को बहकावे के लिए ला रहे वन नेशन वन इलेक्शन बिल

वन नेशन वन इलेक्शन पर कहा कि जब भी चुनाव होंगे, भाजपा हर जगह से हारेगी। इसलिए जनता को बहकावे के लिए इस तरह के बिल ला रहे हैं। जितने भी चुनाव हुए क्या एक साथ भाजपा ने चुनाव करवा लिए हैं, जब कभी अल्पमत में सरकार होगी जो कि किसी भी प्रदेश में अल्पमत सरकार आ सकती है तो फिर क्या होगा। यह तो भाजपा के लोग हैं केवल बेईमानी करते हैं।

राणे ने संविधान का उल्लंघन किया है : मुख्यमंत्री विजयन

» केरल के सीएम बोले- हम सभी को एकजुट होना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्ची। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने महाराष्ट्र के मत्स्य पालन मंत्री नितेश राणे के केरल को मिनी पाकिस्तान कहने वाले बयान की निंदा करते हुए इसे भड़काऊ और निंदनीय बताया। उन्होंने राणे पर संघ परिवार के विभाजनकारी एजेंडे को दोहराने का आरोप लगाया और कहा कि इस तरह की बयानबाजी का उद्देश्य उनके प्रभाव का विरोध करने के लिए केरल को अलग-थलग करना है।

विजयन ने कहा कि टिप्पणी ने संविधान का उल्लंघन किया है और राणे के इस्तीफे की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि सत्तारूढ़ दल के नेतृत्व ने शपथ के इस गंभीर उल्लंघन पर कोई प्रतिक्रि या नहीं दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी इस टिप्पणी की निंदा करते हुए इसे बेहद दुर्भावनापूर्ण और पूरी तरह से निंदनीय बताया और धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक ताकतों से घृणा अभियानों के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने केरल को मिनी पाकिस्तान कहकर विवाद खड़ा कर दिया और आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा राज्य से सांसद चुने गए क्योंकि आतंकवादियों ने उन्हें वोट दिया।

राणे ने दावा किया कि वे आतंकवादियों को साथ लेकर सांसद बने हैं। यह सच्चाई है। तीखी आलोचना का सामना करते हुए, राणे ने बाद में अपनी टिप्पणी पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि वह केरल और पाकिस्तान की स्थिति के बीच तुलना कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि जिस तरह से पाकिस्तान में हिंदुओं के साथ व्यवहार किया जाता है अगर हमारे देश में ऐसी स्थिति होती है, तो हमें उसके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। मैं अपने भाषण में यही कहना चाह रहा था।

दिल्ली को नहीं चाहिए झूठा सीएम : रंधावा

» अरविंद केजरीवाल पर कांग्रेस का तीखा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा ने आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर बेहद विनम्रता से बात करने और फिर लोगों को धोखा देने का आरोप लगाया। रंधावा ने आम आदमी पार्टी (आप) और उसके प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर पंजाब में महिलाओं से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने का भी आरोप लगाया।

आप पर हमला बोलते हुए उन्होंने (आप) पंजाब में कहा था कि वे महिलाओं को 1000 रुपये देंगे। 3 साल में नहीं दे पाए हैं। अगर अरविंद केजरीवाल ईमानदार हैं तो उन्हें अभी दिल्ली में महिलाओं को 2100 रुपये देने चाहिए। रंधावा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल बहुत नम्रता से बात करते हैं और फिर लोगों को धोखा देते हैं। उनके खुद के विधायक कह रहे हैं कि उन्होंने पंजाब में लोगों को धोखा दिया है। रंधावा ने यह भी कहा कि दिल्लीवासी ऐसे मुख्यमंत्री के हकदार हैं जो उनके लिए काम करे, न कि उन्हें गुमराह करने वाला। रंधावा ने कहा कि दिल्ली के लोग केजरीवाल को हराएंगे। दिल्ली को झूठा सीएम नहीं, बल्कि काम करने वाला सीएम चाहिए। 22 दिसंबर को आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के लिए पंजीकरण शुरू करने की घोषणा की। इस योजना के तहत आप का लक्ष्य दिल्ली में रहने वाली महिलाओं को प्रति माह 2,100 रुपये प्रदान करना है। घोषणा के बाद, दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास (डब्ल्यूसीडी) विभाग ने मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के संबंध में एक स्पष्टीकरण जारी किया और कहा कि ऐसी कोई योजना आधिकारिक तौर पर अधिसूचित नहीं की गई है।

मणिपुर हिंसा पर सीएम बीरेन सिंह ने मांगी माफी

» सीएम बोले- पिछली गलतियों को भूलना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने मई 2023 से हो रही जातीय हिंसा के लिए राज्य के लोगों से माफी मांगी और सभी वर्गों से अतीत को माफ करने और भूलने की अपील की। हिंसा से निपटने को लेकर विपक्ष के निशाने पर आए सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि मणिपुर में शांति बहाल की जा रही है।

ये पूरा साल बहुत दुर्भाग्यपूर्ण रहा। मैं राज्य के लोगों से माफी मांगना चाहता हूं कि पिछले 3 मई से आज जो कुछ भी हो रहा है, उसके लिए बहुत से लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है। कई लोगों ने अपना घर छोड़ दिया। मैं माफी माँगता हूँ। लेकिन अब, मुझे उम्मीद है, पिछले तीन से चार महीनों में शांति की दिशा में प्रगति देखने के बाद, 2025 में राज्य में सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी। कोटा और आर्थिक लाभ को लेकर बहुसंख्यक मैतेई और कुकी के बीच 3 मई, 2023 से मणिपुर छिटपुट हिंसा से हिल गया है। जारी हिंसा में 200 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। बीरेन सिंह ने कहा, मणिपुर में शांति बहाल की जा रही है और एकमात्र समाधान चर्चा और संवाद में है, जिसे केंद्र सरकार पहले ही शुरू कर चुकी है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

पूरे देश में आक्रोश, उड़ेगा सरकार का होश

यूपी के पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह ने लिखी आठ पेज की चिट्ठी

- बिहार में छात्रों के मन में पनप रहा है विरोध का लावा
- पंजाब में किसानों ने काट रखी है गदर
- बुलडोजर न्याय, सरकारी, अनाचार व अराजकता विषय पर खुल के रखी अपनी बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। किसानों और बुद्धजीवी छात्रों के बाद पूर्व आईपीएस सुलखान सिंह का आक्रोश भी पब्लिक डोमेन में पहुंच चुका है। क्या इसे सरकारी नीतियों के खिलाफ लोगों के लामबंद होने कि शुरूआत कहा जा सकता? पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह ने बुलडोजर न्याय एवं सरकारी अनाचार/अराजकता विषय पर आठ पेज की पीडीएफ चिटठी जारी की है। चिटठी में अनको सवाल उठाते हुए कहा गया है कि समाज को एक बार फिर से बांटने की कोशिश हो रही है।

इधर उत्तर प्रदेश सरकार से प्रतिस्पर्धा करते हुए , की राज्य सरकारें, अभियुक्तों के घर ध्वस्तिकरण करने में एक दसूरे से आगे नकल रही हैं। परंतु यह किसी अभियुकतों के ऊपर नहीं हो रहा। ध्वस्तीकरण् सिर्फ सरकार के विरोधियों खासकर मुस्लमानों के उपर हो रहा है । सरकारी पार्टी के समर्थकों को फूल-मालाएं पहनाई जा रही हैं और उनकी हत्या जैसे जघन्य अपराध की सजा माफ की जा रही है। हमारे समाज में नफरत से घिरे हुए अनेक, पढे- लिखे सम्पन्न लोग भी इस अतातायी कार्यवाही का समर्थन कर रहे हैं लेकिन जब खुद उनके ऊपर आ पड़ती है तो फिर उनकी सुनने वाला कोई नहीं होता। मीडिया तो सरकारी गुणगान में ही अपना कर्तव्य निवार्हन समझ रहा है। यह अवैधातनक कार्यवाही, जघन्य अपराध की श्रेणी में आती है। पर पुलिस को तो गुलाम बना रखा है कार्यवाही कैसे हो।

पूर्व डीजीपी ने ये लिखा है चिट्ठी में

बुलडोजर न्याय एवं सरकारी अनाचार/अराजकता इधर उत्तर प्रदेश सरकार से प्रतिस्पर्धा करते हुए कई राज्य सरकारें भी आरोपियों के घर ध्वस्त करने में एक दूसरे से आगे निकल रही हैं। पर यह कार्रवाई सभी के ऊपर नहीं हो रहा। देखने में ये रहा है कि ध्वस्तीकरण, सरकार के विरोधियों खासकर मुसलमानों के ऊपर ज्यादा हो रही है। सबसे बड़ी बात जो देखने में आई रही है वह यह कि जो भी ध्वस्तीकरण हो रहे हैं वो अंग्रेजी शासन में भी नहीं हुए थे जबकि अंग्रेजों के लिए ऐसी कार्रवाई करना कोई बड़ी बात नहीं है। आज कल की कार्रवाई व अंग्रेजों समय की कार्रवाई की तूलना यूपी के डीजीपी रहे सुलखान सिहं अपने आंकड़ों के माध्यम से जारी किए हैं। पूर्व डीजीपी ने कहा है कि सरकारी पार्टी के समर्थकों को फूल-मालाएं पहनाई जा रही हैं और उनकी हत्या जैसे जघन्य अपराध की सजा माफ की जा रही है।

पढ़े-लिखे लोग भी इस कार्यवाही के समर्थन में

हमारे समाज में नफरत से भरे हुए अनेक, पढ़े-लिखे सम्पन्न लोग भी इस कार्यवाही का समर्थन कर रहे हैं। लेकिन जब खुद उनके ऊपर इस तरह की आफत पड़ती है तो उनकी सुनने वाला कोई नहीं होता है। मीडिया भी इस तरह के नफरती गुणगान को अपना कर्तव्य निर्वहन समझ रहा है। यह अवैधानिक कार्यवाही अपराध की श्रेणी में आती हैं पर पुलिस को तो सरकारों ने गुलाम बन रखा है।

हिंदुओं के करीब आ रहे मुस्लिम

पूर्व डीजीपी का कहना है कि कार्रवाईयां दो वजहों से हो रही हैं। पहला सरकार की असफलताओं, कुशासन एवं अन्याय से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए। दरअसल, ताकतवर लोग नकारात्मक एवं नफ़रती बातों में मजा लेते हैं। वे चाहते है कि सरकार से लोग सवाल न पूछें। दूसरा समाज को तोड़ने वाली जातिवादी एवं अत्याचारी ताकतें, समाज को बांटकर, छुआछूत जैसे जघन्य अत्याचार कर सकें और अपना वर्चस्व कायम कर सकें। लोकतंत्र के कारण, समाज में काफी एकता आ रही थी। खासकर, मुस्लिम समाज हिंदू के करीब आ रहा था। यह इन ताकतों को बर्दास्त नहीं है। जब-जब समाज में एकता प्रयास हुए हैं, तब-तब इन ताकतों ने अपना कुचक्र रचा है।

देश में जेपी जैसा एक और आंदोलन सुलग रहा!

क्या देश में जेपी जैसा एक और आंदोलन सुलग रहा है। जी हां यह वह सवाल है जो लोगों के मन मस्तिष्क में धीरे–धीरे रौधना शुरू हो गया है। बिहार का गांधी मैदान इन दिनो रण बना है और बीती रात एक बार फिर वहां छात्रों पर पुलिसिया क़हर बरपा। छात्र अपनी मांग को लेकर अडिग है और उन्होंने नीतिश सरकार से आर–पार की लड़ाई काम एलान कर दिया है। छात्रों के समर्थन में उतरी कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी ने नीतिश सरकार को अहंकार में चूर बताया है और कहा है कि छात्रों को कुचलने का काम बिहार सरकार कर रही है।

ब्रिटिश शासन की पुलिस व आज की पुलिस में हो तूलना

आज की पुलिस व्यवस्था की तूलना ब्रिटिश शासन काल से करना चाहिए। साथ ही इस दुष्प्रचार का पर्दाफाश भी किया जाना चाहिए वर्तमान सरकार एवं पुलिस का उत्पीड़क आचरण औपनिवेशिक शासन की देन है। जबकि अंग्रेज मानवीय थे और कानून का पालन करते थे। आज की पुलिस का अपराधीकरण नेताओं और सरकार के दबाव में हुआ है। हमारी ये सरकारें अंग्रेजों के मुकाबले ज्यादा क्रूर एवं अन्यायी हैं। अंग्रेज शासनकाल में, कातून का शासन बहुत प्रभावी ढंग से चलता था।

पंजाब में अफरा तफरी

इधर बिहार में छात्रों के मन में आक्रोश का लावा फूट रहा है तो उधर पंजाब में किसानों ने गदर काट रखी है। सोमवार को किसानों ने डल्लेवाल के समर्थन में पंजाब बंद का अहवान किया। इस दौरान किसान, जिनमें महिलाएं और बूढ़े भी शामिल हैं, सड़कों पर बैठे हुए हैं। कई शहरों में दुकानें बंद हैं। कई शहरों और कस्बों में अधिकांश राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हैं। इससे दैनिक यात्रियों और कार्यालय जाने वालों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई। नौ घंटे का बंद शाम चार बजे तक प्रभावी रहेगा। हालाँकि, किसी भी अप्रिय घटना की कोई रिपोर्ट अभी तक नहीं है। पुलिस ने मोटर चालकों को यात्रा से बचने या अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए लिंक सड़कों का

इस्तेमाल करने के लिए कहा है।एयरपोर्ट रोड की ओर जाने वाली आईएसएसईआर रोड (मोहाली) को किसानों ने अवरुद्ध कर दिया है। किसान नेता ने कहा कि किसान यूनियन नेता शाम 4 बजे तक सड़कों और रेल लाइनों पर चक्का जाम कर रहे हैं। केवल आपातकालीन वाहनों, जैसे एम्बुलेंस, विवाह वाहन, या किसी गंभीर आपात स्थिति वाले व्यक्ति को ही गुजरने की अनुमति दी जाएगी।

ये कार्यवाही दो कारणों से हो रही हैं

1. सरकार की असफलताओं, कुशासन एवं अन्याय से ध्यान भटकाने के लिए ताकि लोगइन्ही नकारात्मक एवं नफ़रती बातों में मजा लेते रहे और सरकार से अपनी दुर्दशा पर सवाल न पूछें।
2. समाज को तोड़ने वाली जातिवादी एवं अत्याचारी ताकतें, फिर से समाज को बांटकर, छुआछूत जैसे जघन्य अत्याचार कर सकें और अपना वर्चस्व कायम कर सकें।लोकतंत्र के कारण, समाज में काफी एकता आ रही थी। खासकर, मुस्लिम समाज हिंदुओ के करीब आ रहा था। यह इन ताकतों को बर्दाश्त नहीं है। जब–जब समाज में एकता के प्रयास हुए हैं। तब-तब इन ताकतों ने अपना घ्रणित कुचक्र रचा रचा है। ज्ञात इतिहास में आजतक यह होता आया है.....।

ऊंट आया पहाड़ के नीचे पीके पर मुकद्मा दर्ज

जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती सहित 21 लोगों के खिलाफ पटना के गांधी मैदान थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन पर छात्रों को उकसाने और हंगामा कराने का आरोप है। प्राथमिकी में 21 नामजद और 600 से 700 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस प्रशासन ने बल प्रयोग करते हुए लाठी चार्ज और वाटर कैनन का प्रयोग किया।प्रदर्शन की अनुमति न मिलने के बावजूद प्रशांत किशोर अपने समर्थक छात्रों को लेकर गांधी मैदान पहुंचे। गांधी मैदान से प्रशांत किशोर के नेतृत्व में छात्र सीएम आवास का घेराव करने के लिए निकले। रास्ते में उन्हें बार-बार प्रशासन के द्वारा समझाया गया।

फिर भी छात्र नहीं माने और बेरिकेडि?ंग तोड़ कर आगे निकलने लगे। वहीं प्रशांत किशोर बीच रास्ते से लौट गांधी मूर्ति के पास बैठ गए और वहां से निकल गए। वहीं, छात्र लगातार आगे बढ़ने की कोशिश करते रहे, तब पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन और हल्का बल प्रयोग किया। इसमें कई छात्र घायल भी हो गए । जिन्हें इलाज के लिए पीएमसीएच में भर्ती कराया गया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

आखिर कब खत्म होगी ऐसी अनदेखी!

"अब इस बात को लेकर सवाल भी उठ रहें है कि एक तरफ तो मोदी सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात करती है दूसरी तरफ इस तरह के मामले सरकारी व्यवस्था की पोल भी खोल रहे हैं। आखिर उस अधिकारी को सम्मान देने से पहले उसके चरित्र पंजिका को देखा क्यों नहीं गया। वहीं उसके इतर कुछ दिनों से केंद्र सरकार या राज्य सरकारों द्वारा निर्मित किए गए कई विकास परियोजनाओं के गिरने की खबरें आती जा रही वह सरकार के काम करने के तरीके पर सवाल उठा रही हैं।

सरकारी काम करने के तरीके से पूरा देश वाकिफ है। अब ताजा मामला गृहमंत्रालय के एक फैसले में आया है। दरअसल, सीबीआई के अधिकारी को पुलिस पदक का एक्सलेंस अवार्ड दिया गया था उससे छिन लिया गया। उस अधिकारी पर रिश्वत लेने का आरोप लगा था। अब इस बात को लेकर सवाल भी उठ रहें है कि एक तरफ तो मोदी सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात करती है दूसरी तरफ इस तरह के मामले सरकारी व्यवस्था की पोल भी खोल रहे हैं। आखिर उस अधिकारी को सम्मान देने से पहले उसके चरित्र पंजिका को देखा क्यों नहीं गया। वहीं उसके इतर कुछ दिनों से केंद्र सरकार या राज्य सरकारों द्वारा निर्मित किए गए कई विकास परियोजनाओं के गिरने की खबरें आती जा रही वह सरकार के काम करने के तरीके पर सवाल उठा रही थीं। अभी कुछ दिन पहले छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में उद्घाटन की गयी 35 फीट ऊंची प्रतिमा का थरथरा कर गिर जाने पर भी बवाल मचा था।

इस तरह की घटनाएं राष्ट्रीय शर्म एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार का दुःखद अध्याय है। इस तरह से सरकारी निर्माणों का ध्वस्त होना सरकार में गहरे से पैठ कर चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में जिस तीव्रता से व्याप्त है, उसका यह एक ज्वलंत उदाहरण है, जो सरकार की साख को धुंधला रही है, यह घटना भारतीय नौसेना की साख को भी बट्टा लगा रही है, यह घटना इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि इससे हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई है। दिल्ली, लखनऊ, बड़ौदा के एयरपोर्ट व संसद के नए भवन में बारिश के पानी के टपकने की खबरें भी सरकारी काम करने व्यवस्था का पोल खोल रही हैं। सवाल है कि जब सरकार किसी कंपनी को ऐसे राष्ट्रीय महत्व के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपती हैं, उससे पहले क्या गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री, समय-सीमा और संपूर्णता को सुनिश्चित किया जाना जरूरी समझा जाता? देश में भ्रष्टाचार सर्वत्र व्याप्त है, विशेषत: राजनीतिक एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार ने देश के विकास को अवरूद्ध कर रखा है। यही कारण है कि पुल या दूसरे निर्माण-कार्यों के लिए रखे गए बजट का बढ़ा हिस्सा कमीशन-रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। इसका सीधा असर निर्माण की गुणवत्ता पर पड़ता है। निर्माण घटिया होगा तो फिर उसके धराशायी होने की आशंका भी बनी रहती है। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर निगरानी रखने की पारदर्शी नीति नियामक केन्द्र बनाने के साथ उस पर अमल भी जरूरी है। सवाल यहां पर यही हैं कि यह घटनाएं केवल खबरें मानकर भूला दी जाएंगी या नीति नियंता इस पर कुछ ठोस निर्णय लेंगे ताकि आगे ऐसी घटनाओं की पुनरावृति न हो।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विरोध-प्रतिरोध के बीच पनपता जीवंत लोकतंत्र

प्रमोद जोशी

राजनीतिक, आर्थिक और तकनीकी दृष्टि से 2024 का साल भारत के लिए घटनाओं और उपलब्धियों से भरा रहा। आर्थिक मोर्चे पर भारत का उदय नए पावर हाउस के रूप में हो रहा है, पर साल की सबसे बड़ी गतिविधि राजनीति से जुड़ी थी। 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून 2024 को पूरा हुआ, पर जो परिणाम आए, उनसे नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को धक्का लगा। हालांकि, नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का मौका मिला, पर अब भाजपा के पास पूर्ण बहुमत न होने से वह अपने सहयोगी दलों का सहारा ले रही है। बीजेपी को सबसे बड़ा धक्का उत्तर प्रदेश में लगा है, जहां के कुल 80 क्षेत्रों में से उसे केवल 33 में विजय मिली। समाजवादी पार्टी ने राज्य में 37 सीटों पर जीत हासिल करके भाजपा को दूसरे स्थान पर धकेल दिया। यह अप्रत्याशित था। राहुल गांधी के लिए भी व्यक्तिगत रूप से इस बार का चुनाव लाभकारी रहा। वर्ष 2019 में उन्हें अमेठी से हार का सामना करना पड़ा था, वहीं इस बार उन्होंने अमेठी से वापसी की।

नेहरू-गांधी परिवार की एक अन्य सदस्य प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस साल सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया। लोकसभा चुनाव में अमेठी और वायनाड दोनों सीटों पर जीत के बाद राहुल गांधी ने वायनाड की सीट को छोड़ दिया, जहां से प्रियंका गांधी जीतकर आईं। लोकसभा चुनाव के परिणामों ने एकबारगी यह सोचने को मजबूर किया कि क्या बीजेपी की विजय के चक्के ने अब उल्टी दिशा में घूमना शुरू कर दिया है? पर ऐसा भी नहीं है। इस वर्ष आंध्र प्रदेश, अरुणाचल, ओडिशा, सिक्किम, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभाओं के चुनाव भी हुए। जम्मू-कश्मीर में एक दशक के बाद विधानसभा चुनाव हुआ था। राज्य में अनुच्छेद 370 हटने के बाद यह पहला चुनाव था। इस बार मतदाताओं ने वोटिंग के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस ने शानदार वापसी की। वहीं हरियाणा, जम्मू-कश्मीर के जम्मू क्षेत्र और खासतौर से महाराष्ट्र के परिणामों ने बीजेपी को भारी राहत प्रदान की।

प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने गृह, रक्षा, वित्त और विदेश विभाग अपने उन्हीं सहयोगियों को सौंपे जो पिछले कार्यकाल में उनके मंत्री थे। इससे उन्होंने यह जाहिर कर दिया कि जैसा

चल रहा था, वैसा ही चलेगा। बहरहाल केंद्र में गठबंधन की मजबूरियों के कारण इस सरकार को अब अगले चार साल तक अपने राजनीतिक-कार्यक्रमों को लागू करने में वैसी स्वतंत्रता नहीं होगी, जैसी पिछले दस वर्षों में रही। साल के अंत में सरकार ने 'एक देश, एक चुनाव' कार्यक्रम के साथ संविधान-संशोधन का विधेयक पेश किया है। उसे फिलहाल संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया है। अब उसे पास कराने के लिए जिस विशेष दो-तिहाई बहुमत की जरूरत भविष्य में होगी, उसके लिए सरकार को अपने गठबंधन सहयोगियों के अलावा दूसरे दलों के समर्थन की जरूरत भी होगी। साल 2022 की शुरूआत जनवरी को अयोध्या के राममंदिर की स्थापना के साथ हो गई। वाराणसी के ज्ञानवापी, मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि, राजस्थान के अजमेर शरीफ और अब संभल के विवादों ने राष्ट्रीय-परिदृश्य को घेर लिया है। इन विवादों के संदर्भ में साल के आखिरी महीने में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के एक बयान ने एक और बहस को जन्म दे दिया है, जो संभवत: अगले साल के राष्ट्रीय-परिदृश्य को प्रभावित करती रहेगी। मोहन भागवत ने 19 दिसंबर को पुणे में 'हिंदू सेवा महोत्सव' के उद्घाटन के दौरान कहा, 'मंदिर-मस्जिद के रोज नए विवाद निकालकर कोई नेता बनना चाहता है तो ऐसा नहीं होना चाहिए, हमें दुनिया को दिखाना है कि हम एक साथ रह सकते हैं। अब वर्चस्व का जमाना ख़त्म हो गया है। यह सब पुरानी लड़ाइयां हैं, इन्हें भूलकर हमें सबको संभालना चाहिए।' भागवत के बयान पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कुछ धर्माचार्यों की प्रतिक्रियाओं ने उत्तर भारत के सर्द माहौल में गर्मी पैदा कर दी है।

इस गर्मी के साथ साल के अंत में डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर पैदा हुई तल्खी भी साल की महत्वपूर्ण घटनाओं में एक है। अंबेडकर की विरासत को लेकर राजनीति में तूफान आया हुआ है। अमित शाह की टिप्पणी के बाद संसद के परिसर में विरोध प्रदर्शन के दौरान दोनों पक्षों के बीच हाथापाई तक हुई। अगले साल की पहली तिमाही में ही दिल्ली विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं, इसलिए यकीनन सभी दल इस मुद्दे को उठाना जारी रखेंगे। इस तूफान के लक्षण 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले प्रकट होने लगे थे, जब कांग्रेस ने जाति और संविधान की रक्षा को अपना मुद्दा बनाया। भारतीय जनता पार्टी '400 पार' इसलिए चाहती है, ताकि वह संविधान को खत्म कर सके।

आर्सेनिक की अधिकता से जीवन पर संकट

ज्ञानेन्द्र रावत

दुनियाभर के जलस्तर में आर्सेनिक की बढ़ती मात्रा के चलते कैंसर के रोगियों की तादाद में बढ़ोतरी हो रही है। दुनिया में 2011 और 2019 के दौरान हर साल औसतन आर्सेनिक से हो रहे कैंसर के मामलों में 11.2 फीसदी की दर से बढ़ोतरी हो रही है। वहीं आर्सेनिक युक्त पानी पीने से किडनी के कैंसर के रोगियों की तादाद में 6 फीसदी की दर से बढ़ोतरी हो रही है।डब्ल्यूएचओ के मुताबिक इसे सातवां सबसे आम कैंसर माना गया है।

देश के भूजल में आर्सेनिक की मात्रा लगातार बढ़ती जा रही है। आज देश के 25 राज्यों के लगभग 230 जिले भूजल में बढ़ती आर्सेनिक समस्या से पीड़ित हैं। दुनिया भर में देखें तो लगभग 50 करोड़ लोग भूजल में आर्सेनिक की समस्या से जूझ रहे हैं। इससे पिगमेंटेशन, हाइपरकेराटोसिस, अल्सरेशन, त्वचा कैंसर, किडनी कैंसर, फेफड़ों का कैंसर के अलावा अब हृदय, लीवर, त्वचा के रंग में परिवर्तन, हथेलियों और तलवों पर सख्त धब्बे, पैरों की रक्तहिकाओं और मूत्राशय संबंधी बीमारियां हो रही हैं। वैज्ञानिकों ने आर्सेनिक युक्त दूषित पानी पीने से मधुमेह, उच्च रक्तचाप और प्रजनन संबंधी बीमारियों की आशंका भी जताई है। देश में कोलकाता का नाम आर्सेनिक से प्रदूषित शहरों में शीर्ष पर है। इस समय, देश के 27 राज्यों के 469 जिले फ्लोराइड से संदूषित हैं। भारत में भूजल में आर्सेनिक की मात्रा स्वीकार्य सीमा से काफी अधिक है, जिससे पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, असम, मणिपुर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और कर्नाटक सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

भारत में आर्सेनिक से प्रभावित लोगों की संख्या 5 करोड़ से अधिक है। आज असलियत में गंगा-मेघना-ब्रह्मपुत्र के मैदान का उत्तराखंड से लेकर पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश सहित देश के पूर्वोत्तर के राज्य का भूजल आर्सेनिक से दूषित है। बांग्लादेश, भूजल में सर्वाधिक आर्सेनिक प्रदूषित देशों की सूची में शीर्ष पर है। दरअसल, भूजल में आर्सेनिक की मौजूदगी मुख्यत: 100 मीटर गहराई तक के जल में बनी रहती है। इससे गहरा जल आर्सेनिक से मुक्त रहता है लेकिन सबसे ज्यादा भूजल का उपयोग 100 मीटर तक के जल का होता है, इसलिए इसमें ही आर्सेनिक का प्रभाव सबसे ज्यादा रहता है। आर्सेनिक से दूध भी अछूता नहीं है। चूंकि आर्सेनिक युक्त भूजल का उपयोग सिंचाई कार्यों में भी होता है, इसलिए अकार्बनिक तत्व पौधों के शरीर में पहुंचकर जड़ों, तनों और पत्तियों के माध्यम से आगे बढ़ते हैं। और अंत में अनाज और सब्जियों में जाकर जमा हो जाते हैं।

दरअसल, पानी में घुलनशील अकार्बनिक आर्सेनिक बहुत ही जहरीला होता है। इसके सेवन से जठरांत्र रोग सम्बन्धी लक्षण से मृत्यु तक हो जाती है। गौरतलब है कि चट्टानों और खनिजों के अपक्षय के दौरान आर्सेनिक मिट्टी और भूजल में प्रवेश करता है। यह मानवजनित स्त्रोतों से मिट्टी और भूजल में प्रवेश करता है। यह पर्यावरण के लिए भी खतरा है। क्योंकि आर्सेनिक उच्च तापमान प्रक्रियाओं जैसे कि कोयला आधारित बिजली संयंत्रों, वनस्पतियों को जलाने और ज्वालामुखी विस्फोट द्वारा वायुमंडल में उत्सर्जित होता है। पानी में विशेष रूप से भूजल में, जहां सल्फाइड खनिज जमा होते हैं और ज्वालामुखीय चट्टानों से निकलने वाली तलछट जमा होती है, आर्सेनिक की सांद्रता काफी बढ़ जाती है।

दुनियाभर के जलस्तर में आर्सेनिक की बढ़ती मात्रा के चलते कैंसर के रोगियों की तादाद में बढ़ोतरी हो रही है। दुनिया में 2011 और 2019 के दौरान हर साल औसतन आर्सेनिक से हो रहे कैंसर के मामलों में 11.2 फीसदी की दर से बढ़ोतरी हो रही है। वहीं आर्सेनिक युक्त पानी पीने से किडनी के कैंसर के रोगियों की तादाद में 6 फीसदी की दर से बढ़ोतरी हो रही है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक इसे सातवां सबसे आम कैंसर माना गया है। अमेरिका के टेक्सास स्थित ए एण्ड एम यूनिवर्सिटी स्कूल आफ पब्लिक हैल्थ के वैज्ञानिकों के अनुसार आर्सेनिक युक्त पानी से किडनी के कैंसर का खतरा दो गुना हो जाता है। शोध में खुलासा हुआ है कि जिन क्षेत्रों में बसी आबादी जलाशयों, कुएं या फिर नदियों पर निर्भर हैं, वहां कैंसर का जोखिम 22 फीसदी अधिक पाया गया है।

इससे किडनी या फेफड़े के कैंसर की संभावना बलवती हो जाती है। समूची दुनिया में 40 मिलियन से अधिक लोग पीने के पानी के लिए टैंकर या हैंडपंप के पानी पर निर्भर हैं। इससे आर्सेनिक के संपर्क में आने की प्रबल संभावना रहती है। वास्तव में, आर्सेनिक प्राकृतिक रासायनिक तत्व है। इसे जहरीली धातु माना जाता है। पानी से आर्सेनिक हटाने की दिशा में इस्तेमाल किए जाने वाले तरीकों में सोखना, आसवन और आयन एक्सचेंज में रिवर्स आस्मोसिस यानी आरओ जल निष्पादन प्रणाली सबसे बेहतर है। इससे आर्सेनिक जैसे घुले प्रदूषक हटा दिये जाते हैं। हानिकारक आर्सेनिक से पानी को मुक्त करके पानी को पीने योग्य बनाया जा सकता है। यह प्रणाली पानी को अर्धपारगम्य झिल्ली के माध्यम से साफ करने हेतु दबाव का काम करती है। आर्सेनिक से दूषित भूजल का जैविक उपचार आर्सेनिक को बायोमास में अवशोषित करके या बायोजेनिक हाइड्रोक्साइड या सल्फाइड के साथ सह अवक्षेपण करके किया जा सकता है। वैसे सरकार द्वारा भूजल में आर्सेनिक की अधिकता से उत्पन्न खतरे से निपटने हेतु प्रयास किये जा रहे हैं और जल उपचार संयंत्रों के विकास का वादा भी कर रही है। लेकिन इसकी समुचित निगरानी की व्यवस्था न हो पाने के कारण यह योजना कामयाबी से कोसों दूर है।

बालासन

बालासन को अंग्रेजी में चाइल्ड पोज भी कहा जाता है। जो अंदरुनी फोकस बढ़ाने के साथ एनर्जी वापिस पाने में मदद करता है। इस योगासन से शरीर लचीला बनता है। इस योगासन के अभ्यास से मानसिक शांति मिलती है और तनाव कम होता है। बालासन करने के लिए जमीन पर वज्रासन अवस्था में बैठ कर सांस अंदर लेते हुए अपने दोनों हाथों को सीधा सिर के ऊपर उठा लें। अब सांस बाहर छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें। अपनी हथेलियों और सिर को जमीन पर टिकाते हुए लंबी सांस अंदर लें और बाहर छोड़ें। हाथों की उंगलियों को आपस में जोड़ते हुए सिर को दोनों हथेलियों के बीच में धीरे से रख लें। कुछ देर बाद पुरानी स्थिति में आ जाएं।

हर गृहणी करे ये योगासन

बेहतर स्वास्थ्य के लिए हर उम्र के लोगों के लिए योगासन लाभदायक होता है। बच्चों से लेकर बड़े और पुरुषों से लेकर महिलाओं तक को नियमित योगासन का अभ्यास करना चाहिए। हालांकि ज्यादातर महिलाएं दिनभर के कामकाज के कारण खुद के लिए समय नहीं निकाल पातीं। नतीजा होता है कि महिलाओं को मोटापा, ब्लड प्रेशर, शुगर, थायराइड और घुटने के दर्द जैसी समस्याएं हो जाती हैं। ऐसे में योग महिलाओं को होने वाली इन सभी समस्याओं का स्थाई इलाज है। इन शारीरिक तकलीफों से दूर रहने और खुद को स्वस्थ रखने के लिए दिनभर के व्यस्त समय से खुद के लिए समय निकालकर कुछ योगासन जरूर करें। जो हर गृहिणी के लिए फायदेमंद हैं।

संपूर्ण फिटनेस में हैं मददगार

मलासन

मलासन में बैठकर पानी पीने से कई तरह के फायदे मिल सकते हैं। जब आप इस आसान में बैठकर पानी पीते हैं तो शरीर को हाइड्रेट करने और टॉक्सिन को बाहर निकालने में मदद मिलती है। इसके अलावा मलासन में पानी पीकर पाचन में मदद मिल सकती है। जिन लोगों को कब्ज की समसया रहती है या फिर पेट से जुड़ी दिक्कतें हो तो रोजाना इस आसन में बैठें। मलासन हिप्स और कमर के आस-पास अंगों पर काम करता है। जब आप मलासन में पानी पीते हैं तो ये शरीर से टॉक्सिंस को निकालता है। इस योगासन का अभ्यास करने से पैरों और जांघों की हड्डियों को मजबूती मिलती है। साथ ही आसन पैरों में या जांघों में होने वाले दर्द में राहत मिलती है। मलासन का अभ्यास करने के लिए मैट बिछाकर सबसे सीधा खड़े हो जाएं। अब घुटनों को मोड़कर हाथों को नमस्ते के पोज में बैठ जाएं। इस दौरान घुटनों के बीच दूरियां बनाकर रखें।

धनुरासन

धनुरासन महिलाओं के मासिक धर्म संबंधी विकृतियों को दूर करता है। इस योगासन से मांसपेशियों का अच्छा खिंचाव होता है, जिससे पेट की चर्बी कम होती है। धनुरासन करने के लिए पेट के बल लेट कर अपने घुटनों को मोड़ते हुए टखनों को हथेलियों से पकड़ें। अब अपने पैरों और बाहों को अपनी क्षमता के मुताबिक ऊपर उठाएं। ऊपर देखते हुए कुछ देर इसी मुद्रा में रहें और फिर सामान्य अवस्था में आ जाएं। इस प्रक्रिया को दोहराएं।

सुखासन

मानसिक और शारीरिक शांति के लिए सुखासन का अभ्यास मददगार है। इस आसन को योग की शुरुआत करने से पहले किया जाता है। ताकि सांस लेने की प्रक्रिया पर नियंत्रण किया जा सके। आसन को करने के लिए जमीन पर पालथी मारकर बैठ जाएं और दोनों आंखों को बंद करते हुए हथेलियों को घुटनों पर रखें। फिर गहरी सांस लें। यह प्रक्रिया दोहराएं।

हंसना मना है

रुपेश : पापा मुझे एक लड़की पसंद है, मैं उससे शादी करना चाहता हूं.. पापा : क्या वो भी तुझे पसन्द करती है? रुपेश : हां जी हां.. पापा : जिस लड़की की पसन्द ऐसी हो, मैं उसे अपनी बहू नहीं बना सकता।

सरदार दुखी था। किसी ने पुछा : क्यों टेंशन मे हो? सरदार: यार एक दोस्त को प्लास्टिक सर्जरी के लिए 2 लाख दिए, अब साले को पहचान नहीं पा रहा हूं।

संता अपनी बीमारी की वजह से डॉक्टर के पास गया, डॉक्टर : आपकी बीमारी की सही वजह मेरी समझ में नहीं आ रही, हो सकता है दारु पीने की वजह से ऐसा हो रहा हो, संता: कोई बात नहीं डॉक्टर साहब, जब आपकी उतर जाएगी तो मैं दोबारा आ जाऊंगा।

पापा और 15 साल का बेटा एक होटल में गए, पापा- वेटर एक बियर और एक आईसक्रीम लाओ, बेटा- आईसक्रीम क्यों पापा, आप भी बियर लीजिये ना, दे.. चप्पल.. पे.. चप्पल!

पत्नी- जरा किचन से आलू लेते आना। पति- यहां तो कहीं आलू दिख नहीं रहे हैं। पत्नी- तुम तो हो ही अंधे, कामचोर हो। एक काम ढंग से नहीं कर सकते, मुझे पता था कि तुम्हें नहीं मिलेंगे, इसलिए मैं पहले ही ले आई थी!

कहानी | चालाक लोमड़ी

एक जंगल में गधा, लोमड़ी और शेर के बीच अच्छी दोस्ती हो गई। तीनों ने एक दिन शिकार करने के बारे में सोचा। सबने मिलकर तय किया कि शिकार करने के बाद उसपर तीनों का बराबर हक होगा। कुछ ही दूरी पर उन तीनों को जंगल में हिरण दिखा। तीनों ने हिरण पर झपट्टा मारने की कोशिश की। उसे देखते ही वो तेजी से दौड़ने लगा। दौड़ते-दौड़ते थककर हिरण कुछ देर के लिए रुक गया। तभी मौका देखकर शेर ने हिरण का शिकार कर दिया। मरे हुए हिरण के तीन हिस्से करने के लिए शेर ने अपने दोस्त गधे को कहा। जैसा पहले तय हुआ था उसी हिसाब से गधे ने शिकार को तीन बराबर हिस्सों में बांट दिया। ये देखकर शेर को बिल्कुल अच्छा नहीं लगा। वो गुस्से में जोर-जोर से दहाड़े मारने लगा। शेर ने गधे पर हमला करके उसे अपने दांतों और पंजों की मदद से दो हिस्से में बांट दिया। तभी शेर ने एकदम से लोमड़ी को कहा, चलो दोस्त अब तुम इस शिकार का अपना हिस्सा ले लो। लोमड़ी चालाक और समझदार दोनों ही थी। उसने बड़ी ही अकलमंदी के साथ हिरण के शिकार का तीन चौथाई हिस्सा शेर को दे दिया और खुद के लिए एक चौथाई हिस्सा ही बचाया। इस तरह हुए शिकार के हिस्से से शेर काफी खुश हो गया। उसने हंसते हुए लोमड़ी से कहा कि अरे वाह! तुमने एकदम मेरे मन का काम किया है। तुम्हारा दिमाग काफी तेज है।' इतना कहते ही शेर ने लोमड़ी से पूछा, 'तुम इतनी समझदार कैसे हो? तुम्हें कैसे पता चला कि मैं क्या चाहता हूं? तुमने इतना अच्छे से शिकार का हिस्सा लगाना कहां से सीखा है?' शेर के सवालों का जवाब देते हुए लोमड़ी बोली कि आप जंगल के राजा हैं और आपको कैसे हिस्सा लगाना है, ये समझना मुश्किल नहीं है। साथ ही मैंने उस गधे की हालत भी देख ली थी। उसके साथ जो कुछ भी हुआ उससे सीख लेते हुए मैंने ऐसी समझदारी दिखाई है।' जवाब सुनकर शेर काफी खुश हुआ। उसने कहा कि तुम सच में बुद्धिमान हो।

7 अंतर खोजें

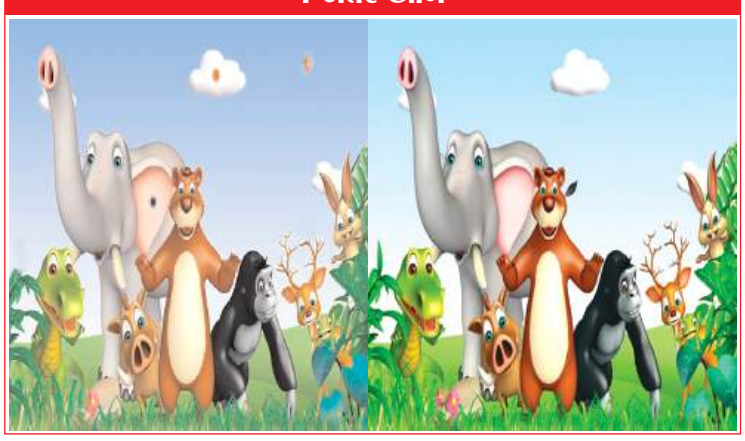

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज रोजगार में अच्छी वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी।

वृषभ

व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। विवाद से बचें। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी।

मिथुन

धन के बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। लाभ होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे।

कर्क

आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य कर पाएंगे। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जोखिम न लें।

सिंह

तीर्थदर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें।

कन्या

वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें। दूसरों के झगड़ों में हस्तक्षेप न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्षोभ होगा।

तुला

शत्रुओं का पराभव होगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी।

वृश्चिक

संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं।

धनु

मेहनत का फल पूरा नहीं मिलेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है।

मकर

व्यापार में लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। दूर से शोक संदेश मिल सकता है। बाहरी विवाद को बढ़ावा न दें।

कुम्भ

मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

मीन

आज पुराने साथी व रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। बाहरी क्षेत्र में नए मित्र बनेंगे। व्यापार में अच्छी खबर मिलेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी।

अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद मलाइका अरोड़ा ने किया रिएक्ट, बोलीं-

2024, तुमसे नफरत नहीं है लेकिन तुम मुश्किल साल रहे हो

मलाइका अरोड़ा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। कुछ समय पहले उन्होंने रेस्टोरेंट खोला है। अब मलाइका ने एक पोस्ट शेयर करके बताया कि 2024 में उन्होंने काफी चैलेंजेस और चेंजेस देखें।

मलाइका अरोड़ा ने पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में लिखा- 2024, तुमसे नफरत नहीं है, लेकिन तुम मुश्किल साल रहे हो। चैलेंजेस, चेंजेस और लर्निंग से भरे रहे। तुमने सिखाया कि जिंदगी एक झपके में बदल सकती है और खुद पर और ज्यादा भरोसा करना सिखाया। लेकिन सबसे ऊपर तुमने ये समझाया कि मेरी हेल्थ- चाहे फिजिकल, इमोशनल और मेंटल।..सबकुछ बहुत मायने रखता है। ऐसी कई चीजें हैं जो मुझे अभी भी समझ में नहीं आ रही हैं। लेकिन मेरा विश्वास है कि समय के साथ मैं हर चीज के पीछे का कारण समझ जाऊंगी। बता दें कि साल 2024 में मलाइका अरोड़ा की जिंदगी में दो बड़े चेंजेस हुए। एक तो मलाइका अरोड़ा का अर्जुन कपूर के साथ ब्रेकअप हुआ। उनका 6 साल का रिश्ता था। अर्जुन ने खुद बताया था कि वो अब सिंगल हैं। इसके अलावा मलाइका अरोड़ा पर दुखों का पहाड़ टूटा था। सितंबर में मलाइका के पिता का निधन हो गया था।

इन शोज में दिखीं मलाइका अरोड़ा

वर्क फ्रंट की बात करें 2022 में मलाइका को मूविंग इन विद मलाइका में देखा गया था। इस शो में मलाइका ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में दिखाया था। उन्होंने स्टैंडअप कॉमेडी भी की थी। इसके अलावा उन्हें फेबुलस लाइव्स विद बॉलीवुड वाइव्स में गेस्ट के तौर पर देखा गया था। उन्होंने इंडियाज बेस्ट डांसर को जज भी किया था। मलाइका की डांसिंग और जजिंग को बहुत पसंद किया जाता है।

बॉलीवुड | मन की बात

हिप सर्जरी के बाद बदतर हो गई थी मेरी जिंदगी : तनाज

टी वी और बॉलीवुड में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री तनाज ईरानी इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में चल रही हैं। कहो ना प्यार है, हमारा दिल आपके पास है और मैं प्रेम की दीवानी हूं जैसी फिल्मों से सुर्खियां बटोरने वाली तनाज ईरानी अब व्हीलचेयर पर आ गई हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने अपनी हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी के दौरान अपने दर्दनाक सफर के बारे में बताया, जिसके बाद उनकी हालत काफी खराब हो गई है। हाल ही में इनर हैबिट पॉडकास्ट में अभिनेत्री ने कहा कि साल 2021 में उन्हें चलने में समस्या थी, जिससे उन्हें समझ में नहीं आया कि क्या यह सिर्फ एक पैच था या शायद वजन बढ़ने की वजह से हुआ था। उन्होंने मदद के लिए एक कायरोप्रैक्टर से मिलने का भी मन बनाया था। इसके बाद उनकी हालत इतनी बिगड़ गई कि उन्हें उठने में भी काफी समस्या आने लगी। अभिनेत्री ने कहा, मैं इससे उबर नहीं पाई। मुझे लगा कि मेरा वजन बहुत बढ़ रहा है, इसलिए मैंने MMA जॉइन कर लिया, जिससे समस्या और गंभीर हो गई। मुझे नहीं पता था कि क्या हो रहा है, लेकिन यह और भी खराब होता जा रहा था। फिर, एक समय ऐसा आया जब मैं खड़ी होकर रसोई में खाना भी नहीं बना पा रही थी। तब मुझे एहसास हुआ कि सिस्टम में कुछ बहुत गड़बड़ है। इसके अलावा, तनाज ने बताया कि उन्होंने तीन महीने तक इलाज करवाया और पीठ की समस्या तो ठीक हो गई, लेकिन वह अभी भी अपने पैर पर वजन नहीं डाल पा रही थीं, जिसकी वजह से उन्हें लंगड़ाहट की समस्या हो गई थी। तनाज ने बताया, मैं अपना पैर बाहर निकालती और फिर अंदर डालती। यह एक ऐसी हरकत थी जिसमें मैंने इतनी जल्दी महारत हासिल कर ली थी कि कोई भी व्यक्ति यह महसूस कर सकता था कि कुछ गड़बड़ है। इससे यह और भी खराब हो गई। हालांकि, एक अभिनेत्री होने के नाते, मैं हार नहीं मानना चाहती थी। अभिनेत्री को इसके बाद हिप सर्जरी करानी पड़ी थी, जिसके बाद उनका एक पैर दूसरे से लंबा हो गया। अभिनेत्री ने कहा कि उसे देखकर ऐसा लगा कि अब मेरी जीने की इच्छा ही खत्म हो गई थी।

अब सुपरनैचुरल थ्रिलर जॉनर की फिल्म में नजर आयेंगे नागा चैतन्य!

साउथ अभिनेता नागा चैतन्य फिल्म धूता में नजर आए थे। फिल्म धूता ओटीटी पर भी रिलीज हो चुकी है। यह फिल्म 1 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। इस फिल्म को प्रंशसक की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इस हॉरर फिल्म के अलावा नागा एक और हॉरर फिल्म की तैयारी कर रहे हैं। इस फिल्म को विरुपाक्ष के निर्देशक कार्तिक वर्मा दंडू निर्देशित करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 2023 में प्रीमियर होने वाली अमेजन प्राइम सीरीज धूता के बाद, नागा चैतन्य एक धासू सुपरनैचुरल थ्रिलर जॉनर की फिल्म में नजर आने वाले हैं। नागा चैतन्य विरुपाक्ष फेम कार्तिक वर्मा दंडू के निर्देशन में एक और सुपरनैचुरल थ्रिलर पर काम कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चै की फिल्म निर्मातों के बीच बातचीत चल रही है। इस सुपरनैचुरल थ्रिलर के लिए अर्का मीडिया वर्क्स में बाहुबली के निर्माता इस रोमांचक प्रोजेक्ट को फंड करेंगे। हालांकि, नागा चैतन्य ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। अगर यह प्रोजेक्ट फाइनल हो जाता है, तो यह 2025 की दूसरी छमाही में यह फिल्म फ्लोर पर आ जाएगी।

इस देश में जमीन की खुदाई में मिली तीन हजार साल पुरानी दूसरी दुनिया

कई बार कुछ चीजें यूं ही सामने आ जाती हैं, जिनके बारे में हमें पहले से कल्पना ही नहीं होती है। कुछ ऐसा ही हुआ जब एक दक्षिणी मैक्सिको के पीएचडी स्टूडेंट को गूगल सर्च करते हुए कुछ ऐतिहासिक मिल गया। उसे चीन के मैरिटाइम सिल्क रोड की शुरुआत में ही कुछ प्राचीन शहर जैसा दिखाई दिया। जब इस जगह की खुदाई की गई, तो यहां जो कुछ था, वो पुरातत्व विभाग के लिए किसी आश्चर्य से कम नहीं था। चीन के दक्षिण पूर्वी हिस्से में मौजूद सिटी ऑफ गुइलिन में ये गोंगशेंग याओ काउंटी मौजूद है, जहां पर ये द नियुलुचॉन्ग साइट मौजूद है। इसे पहली बार साल 2022 में एक बिल्डर ने ढूंढा था, जब उसे खुदाई में कुछ पैटर्न्ड ईंटें और टूटे हुए बर्तन यहां से मिले थे। हालांकि इस बार वहां से जो मिला है, वो पूरे शहर का सेटअप है। इस प्रोजेक्ट की लीडर हे एन्ची ने बताया कि उन्हें खुदाई में डबल सिटी दीवारें और उसके आस-पास खाई हैं। नियुलुचॉन्ग में इस तरह का प्राचीन सेटअप लगभग 165 मीटर लंबा और 140 मीटर चौड़ा है। ये पूरा इलाका 23,100 वर्गमीटर में फैला हुआ है। शहर कि उत्तरी और पश्चिमी दीवारें अच्छी स्थिति में हैं। पुरातत्ववेत्ताओं ने यहां के आकर्षक सांस्कृतिक अवशेष निकाले हैं, जिनमें बर्तन और पत्थरों के उपकरण मौजूद हैं। राख के गड्डे और खंभों के गड्डे मौजूद हैं। इसे लिंगनान इलाके से जोड़कर देखा जा रहा है, जो इस वक्त का गुआंग्शी, गुआंगडॉन्ग और हैनान प्रोविंस है। हे एन्ची के मुताबिक लिगनान इसलिए भी अहम है क्योंकि ये मैरिटाइम सिल्क रोड का शुरूआती प्वाइंट है। इस नई खोज पर अब भी टीम अपनी रिसर्च जारी रखेगी। यहां पर पुराने अनाज भी मिले हैं और कुछ पीतल या तांबे के हथियार भी। टेक्नोलॉजी की मदद से अब कुछ पुराने शहर सामने आ रहे हैं, जो इतिहास में दफन हो गए थे। अक्टूबर में 18वीं सदी का पुराना शहर अमेजन के जंगलों में मिला, जिसके बारे में किसी को नहीं पता था। लिडार टेक्नोलॉजी और जनजातियों की मदद से आर्कियोलॉजिस्ट्स ने इसे ढूंढ निकाला था।

अजब-गजब | द्वितीय विश्वयुद्ध में सेना के लिए बनाई गई थी यह बिल्डिंग

एक ही बिल्डिंग में बसा है पूरा शहर

अगर आप मोहल्लों के भी कॉन्सेप्ट को छोड़ दें तो सोसायटी में भी लोग रहते अलग बिल्डिंग में हैं और उन्हें अपनी जरूरतों के लिए नीचे आना पड़ता है। स्कूल और बाज़ार के लिए भी अपने कैंपस से बाहर जाना होता है। अगर हम आपसे कहें कि दुनिया में एक शहर ऐसा भी है, जिसकी पूरी आबादी एक ही इमारत में रहती है तो आप हैरान रह जाएंगे। आपको ये मजाक लग सकता है लेकिन व्हिटियर नाम के शहर की ये सच्चाई है।

अमेरिका अलास्का में व्हिटियर नाम का ऐसा ही एक अनोखा शहर है, जो एक ही बिल्डिंग के अंदर बसा हुआ है। आपको सुनकर आश्चर्य होगा लेकिन इस शहर के लोग बिल्डिंग से बाहर ही नहीं निकलते क्योंकि सारी सुविधाएं अंदर ही मौजूद हैं। यहां सभी लोग एक ही इमारत में रहते हैं। 14 मंजिला इस बिल्डिंग का नाम बेचिंग टावर है, जहां हर तरह की सुविधाएं मौजूद हैं। अलास्का के इस शहर की यही खूबी इसे दुनिया में सबसे अलग बनाती है।

बेचिंग टावर नाम की बिल्डिंग में थाना, अस्पताल, चर्च से लेकर किराने की दुकान, लॉन्ड्री सब कुछ मौजूद है। बिल्डिंग के ग्राउंड

फ्लोर पर व्हिटियर नाम का एक स्कूल है, जहां इस शहर के सभी बच्चे पढ़ते हैं। बेचिंग टावर की पहली मंजिल पर शहर को चलाने के लिए जरूरी सारी सुविधाएं मौजूद हैं। एक तरफ डाकखाना, दूसरी ओर पुलिस स्टेशन और वहीं पर सरकारी दफ्तर भी हैं। साल 2023 के आंकड़े के मुताबिक शहर की कुल आबादी 263 लोगों की है। इस बिल्डिंग का निर्माण 1956 में हुआ था।

ये शहर अलास्का जैसे क्षेत्र में मौजूद है। यहां 250 से 400 इंच तक बर्फबारी होती है और कभी-कभी तो 60 मील प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलती हैं। इस बिल्डिंग को दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान सेना के बैरक के रूप में इस्तेमाल करने के लिए बनाया गया था। युद्ध के बाद इसे अपार्टमेंट में बदल दिया गया, जिसमें व्हिटियर शहर बसता है। ये शहर आधुनिक समाज का अनोखा मॉडल है, जहां सीमित संसाधनों में भी लोगों की जिंदगी आराम से चल रही है।

नए साल के पहले दिन उत्तर भारत में गिरा पारा

» बढ़ गई ठंड, ठिठुरे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर भारत में नए साल के दिन तापमान में गिरावट के साथ सर्दी का अहसास हो रहा है, तथा कई राज्यों में तापमान में गिरावट जारी है। दिल्ली में बुधवार को न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में कोहरे की हल्की परत छाई रही। मंगलवार को सुबह 8:30 बजे शहर का तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआईबी) ने बेघर लोगों को आश्रय प्रदान करने के लिए 235 पगोडा टेंट स्थापित किए हैं। एम्स, लोधी रोड और निजामुद्दीन फ्लाईओवर सहित राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में नाइट शेल्टर बनाए गए हैं।

ठंड के कारण राजधानी के निवासी अलाव के आसपास एकत्र होते देखे गए, जबकि तापमान में गिरावट जारी रहने के कारण अन्य लोग रात्रि निवासों में शरण लेते देखे गए। राजस्थान में भी ठंड बढ़ गई है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। जयपुर में सुबह 8:30 बजे तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि बीकानेर और चूरू में तापमान क्रमशः 7 डिग्री सेल्सियस और 6 डिग्री सेल्सियस रहा।

यूपी में छाई कोहरे की चादर

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में कोहरे की चादर छाई रही। शहर में तापमान में गिरावट दर्ज की गई। आईएमडी के अनुसार, मेरठ में तापमान 9 डिग्री सेल्सियस और लखनऊ में 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जम्मू-कश्मीर में ठंड का कहर जारी है और कई इलाकों में तापमान शून्य से नीचे चला गया है। ठंड के कारण डल झील की सतह जमी हुई है। आईएमडी के अनुसार सुबह 8:30 बजे श्रीनगर में तापमान -1.5 डिग्री सेल्सियस, गुलमर्ग में -2.4 डिग्री सेल्सियस, पहलगाम में -6 डिग्री सेल्सियस, बनिहाल में 0.4 डिग्री सेल्सियस और कुपवाड़ा में 0.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

नववर्ष की धूम

2024 को विदाई देने के लिए राजधानी लखनऊ के हजरतगंज में लोगों की अपार भीड़ जुटी। इस मौके पर लोगों ने एक दूसरे को आने वाले नए साल 2025 की बधाई दी। वहीं नववर्ष की पूर्व संध्या पर शहर के कई होटलों और पार्कों में रंगारंग कार्यक्रम भी हुए।

नया साल मुबारक तब ही होगा जब बिहार में नई सरकार आएगी : लालू

» वीडियो के जरिए दिया मैसेज भाजपा और जदयू की बढ़ी टेंशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। देश भर में लोग नए साल की शुभकामना दे रहे हैं तो दूसरी ओर इसी बहाने सियासी वार भी किए जा रहे हैं। साल 2025 में बिहार में विधानसभा का चुनाव है और आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने सरकार पलटने की तैयारी शुरू कर दी है। साल के पहले दिन (बुधवार) ही लालू यादव ने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। ये सीधे तौर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमारऔर एनडीए की सरकार के लिए टेंशन वाली बात है। एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में आरजेडी की ओर से यह संदेश दिया गया है कि नया साल तब ही मुबारक होगा जब प्रदेश में नई सरकार आएगी। नीतीश सरकार पर हमला किया गया है कि जब तक ये सरकार है नया साल मुबारक के लायक नहीं है।

बाढ़ की समस्या ज्यों की त्यों है, फसल बर्बाद हो जाती है या औने-पौने दाम में बेचना पड़ता है। सरकार की ओर से ना कोई उपाय है और ना ही कोई राहत है। सरकार से कुछ नहीं होगा। मजदूरों के लिए नया साल तब मुबारक के लायक होगा जब नई सरकार आएगी। इस वीडियो को नए साल के पहले दिन ही जारी किया गया है। टैग लाइन दिया गया है, नया साल नई सरकार, नया संकल्प नया बिहार। इस वीडियो के अंत में पंच लाइन के साथ नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की तस्वीर को दिखाया गया है। तस्वीर से साफ है कि आरजेडी की ओर से चुनावी तैयारी शुरू हो गई है। इस वीडियो के बाद सियासत तय है।

नए साहस और नए संकल्प का बिहार बनाएंगे : तेजस्वी

उधर दूसरी ओर तेजस्वी यादव ने भी नए साल की जब एक्स पर बधाई दी तो वे भी बिहार को बदलने का संकल्प लेते दिखे। तेजस्वी यादव ने लिखा, नए साल 2025 में हम नई सोच, नई शक्ति, नए जोश, नए उत्साह, नए साहस और नए संकल्प के साथ बिहार को नई दिशा और नई मंजिल तक ले जाने का वचन लेते हैं। बिहार की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बिहार को नंबर-1 राज्य बनाने के लिए हमें एक सूत्र, एक बंधन में बंध कर एकजुट होकर एक लक्ष्य के लिए जी जान से काम करना होगा। हमारा एक होना ही एकमात्र मंत्र है बिहार को नंबर 1 राज्य बनाने का उनके इस पोस्ट से साफ है कि 2025 के चुनाव की तैयारी अब जोर पकड़ने वाली है।

अगला चुनाव नीतीश कुमार के चेहरे पर लड़ेंगे : मांझी

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा है कि एनडीए में फिलहाल कुछ खास नहीं चल रहा है। एनडीए सशक्त है। पांच दल मिलकर काम कर रहे हैं। 15 जनवरी से एनडीए के सभी पांचों दल बिहार के सभी जिलों में जाकर सम्मेलन करेंगे। एनडीए में कुछ भी गड़बड़ नहीं चल रहा है। विपक्ष सिर्फ भ्रम फैला रहे हैं। सीएम नीतीश कुमार को लेकर उन्होंने कहा कि हम तो इन सवालों से हैरान हो जाते हैं। मनमोहन बाबू भारत के प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री थे। उनकी मृत्यु हो गई है। घर पर जाकर दुख-संवेदना जताना कोई राजनीति है क्या। बिहार में अनाप-शनाप चर्चा हो रही है। विकास का काम करना ही नहीं है तो इस प्रकार का चर्चा करेंगे ही। अगले चुनाव में कमान किसके हाथ में होगी, एनडीए की बात तो स्पष्ट हो गई है। एनडीए में सभी भाजपा के नेता कह रहे हैं कि अगला चुनाव नीतीश कुमार के चेहरे पर लड़ेंगे। परिवारवाद का ठप्पा जहां लगना चाहिए, वहां डर से कोई बोलता नहीं है। हमारे यहां कोई भी गिल्ली-डंडा खेलकर मुख्यमंत्री या मंत्री नहीं बना है। एमए और पीएचडी कर, दस-पांच साल नौकरी और सामाजिक सेवा कर हम इस जगह पर हैं। गरीबों पर पारिवारिक ठप्पा लगाना, उंगली उठाना ज्यादा आसान होता है। हम लोग गरीब तबके के लोग हैं, इसलिए लोग निशाना बनाते हैं। परिवारवाद की बात तो वहां उठाना चाहिए। तेजस्वी का कोई भविष्य नहीं है। वह किसी आंदोलन की उपज नहीं है। अपने पिता के कारण राजनीति में चमकदमक है। जो लालू प्रसाद में बात थी, वह तेजस्वी में नहीं है।

किसानों ने दिया केंद्र सरकार को झटका

» सुप्रीम कोर्ट की हाईलेवल कमेटी से नहीं होगी बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संयुक्त किसान मोर्चा ने किसान मांगों को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी के साथ बातचीत के लिए मना कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी ने एसकेएम को किसानों के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए 3 जनवरी को बैठक में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने किसानों के आंदोलन के कारण पंजाब के शंभू और खनौरी सीमा पर मोर्चाबंदी के संदर्भ में हाईलेवल कमेटी का गठन किया था, लेकिन एसकेएम उस आंदोलन का हिस्सा नहीं है।

शंभू और खनौरी बॉर्डर पर धरना दे रहे किसान संगठनों ने पहले ही कमेटी से बात करने से मना कर दिया था। एसकेएम के मुताबिक मोर्चा न्यायालय के हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं करता है क्योंकि किसान केंद्र सरकार के साथ नीतिगत मुद्दों पर लड़ रहे हैं, जहां न्यायालय की कोई भूमिका नहीं है। केंद्र पर फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित किसानों की मांगों को स्वीकार करने का दबाव बनाने के लिए डल्लेवाल 26 नवंबर से पंजाब और हरियाणा के बीच खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन पर हैं। सुरक्षा बलों द्वारा प्रदर्शनकारी किसानों को दिल्ली कूच से रोके जाने के बाद संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले किसान 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी बॉर्डर पर डेरा डाले हुए हैं।

छह बल्लेबाजों के साथ उतर सकता है भारत

» सिडनी टेस्ट के लिए रोहित के सामने सही संयोजन चुनने की चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 1-2 से पिछड़ रही भारतीय टीम के सामने सिडनी में तीन जनवरी से होने वाले अंतिम टेस्ट के लिए सही संयोजन चुनने की चुनौती है। भारत ने चौथे टेस्ट में शुभमन गिल को प्लेइंग-11 से बाहर रखा था, लेकिन जिस तरह टीम की बल्लेबाजी रही थी उससे लगा रहा है कि टीम प्रबंधन पांचवें टेस्ट में छह बल्लेबाजों के साथ उतर सकता है।

भारत को अगर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा बनाए रखने के साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल की दौड़ में बने रहना है तो रोहित को टीम के सर्वोत्तम हित में कुछ विकल्प में से सर्वश्रेष्ठ को चुनना होगा। भारतीय कप्तान को एससीजी पर अपने छह सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों को उतारना पड़ सकता है जिससे मेलबर्न में पिछले मैच में बाहर किए गए शुभमन गिल को प्लेइंग-11 में शामिल करने का रास्ता साफ हो जाएगा। वर्ष 2024 में टेस्ट क्रिकेट में 866 रन के साथ गिल पिछले एक साल में भारतीय बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में यशस्वी जायसवाल के बाद दूसरे स्थान पर हैं। ऐसे में केएल राहुल को दोबारा पारी का आगाज करने का मौका मिल सकता है जहां वह सबसे अधिक आश्वस्त दिख रहे हैं। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पारंपरिक रूप से एक ऐसा विकेट रहा है जहां मैच के आगे बढ़ने के साथ स्पिनरों को मदद मिलती है और इसलिए वॉशिंगटन का रवींद्र जडेजा के साथ खेलना लगभग तय है। तो मोहम्मद सिराज और आकाश दीप में से किसी एक को बाहर करके गिल को जगह मिल सकती है।

बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में मिल सकता है आराम

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इन दिनों ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं। नए साल की शुरुआत में उनके वर्कलोड को देखते हुए भारतीय टीम मैनेजमेंट उन्हें आराम दे सकता है। दरअसल, नए साल की शुरुआत भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज के साथ करेगी। वनडे सीरीज में बुमराह को आराम दिया जा सकता है। इस सीरीज की शुरुआत छह फरवरी को होगी। माना जा रहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी के चलते टीम मैनेजमेंट बुमराह को आराम देने का फैसला कर सकता है। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हाइब्रिड मॉडल में होगा। टूर्नामेंट की शुरुआत 19 फरवरी से होगी जबकि फाइनल नौ मार्च को खेला जाएगा।

भागवत के बयान पर पांचजन्य में लेख पर घमासान

» सपा ने साधा संघ प्रमुख मोहन भागवत पर निशाना

» संघ के मुख पत्र के संपादकीय में लिखा लेख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखपत्र पांचजन्य में भागवत के बयान पर संपादकीय को सियासी बवाल मचा है। सपा ने जहां इसका स्वागत किया वहीं यह भी कहा है मोहन भागवगत भागवत को अपने मानस पुत्र भाजपा को भी समझानी चाहिए। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के मुखपक्ष पाञ्जन्य में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के मंदिर मस्जिद को लेकर दिए बयान का समर्थन किया गया है। समाजवादी पार्टी ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया भी दी।

हम आपको बता दें कि संपादकीय में कहा गया है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत की हालिया टिप्पणी समाज से एक समझदारी भरा रुख अपनाने का स्पष्ट आह्वान है। संपादकीय ने इस मुद्दे पर अनावश्यक बहस और भ्रामक प्रचार के प्रति भी आगाह किया है। हम आपको याद दिला दें कि उन्नीस दिसंबर को पुणे में सहजीवन व्याख्यानमाला में भारत विश्वगुरु विषय पर व्याख्यान देते हुए भागवत ने समावेशी समाज की वकालत की और कहा था कि दुनिया को यह दिखाने की जरूरत है कि भारत सद्भाव के साथ रह सकता है। अब आरएसएस के मुखपत्र 'पांचजन्य' के संपादक हितेश शंकर के 28 दिसंबर के संपादकीय में कहा गया है, आरएसएस प्रमुख मोहनराव भागवत के मंदिरों पर दिए गए हालिया बयान के बाद मीडिया जगत में घमासान (वाकयुद्ध) छिड़ गया है। या यूं कहें कि यह जानबूझकर किया जा रहा है। एक स्पष्ट बयान के अलग-अलग अर्थ निकाले जा रहे हैं। हर दिन नई प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रतिक्रियाओं में स्वतःस्फूर्त सामाजिक राय के बजाय सोशल मीडिया विशेषज्ञों द्वारा उत्पन्न किया गया कोहराम और उन्माद अधिक दिखाई देता है।

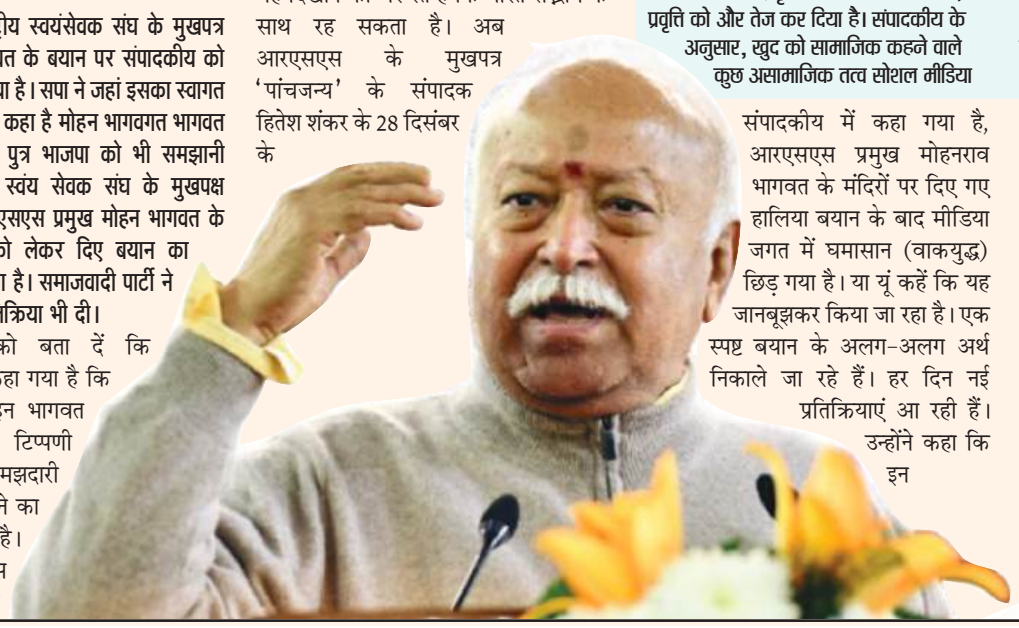

राजनीतिक लाभ के लिए मंदिर का इस्तेमाल कतई स्वीकार्य नहीं

संपादकीय में कहा गया कि मंदिर हिंदुओं की आस्था के केंद्र हैं, लेकिन राजनीतिक लाभ के लिए उनका इस्तेमाल कतई स्वीकार्य नहीं है। आज के दौर में मंदिरों से जुड़े मुद्दों पर अनावश्यक बहस और भ्रामक दुष्प्रचार को बढ़ावा देना चिंताजनक प्रवृति है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृति को और तेज कर दिया है। संपादकीय के अनुसार, खुद को सामाजिक कहने वाले कुछ असामाजिक तत्व सोशल मीडिया मंचों पर स्वयंभू रक्षक और विचारक बन बैठे हैं। ऐसे अविवेकी विचारकों से दूर रहने की जरूरत है जो समाज के भावनात्मक मुद्दों पर जनभावनाओं का इस्तेमाल करते हैं। संपादकीय में कहा गया है कि भारत एक ऐसी सभ्यता और संस्कृति का नाम है, जिसने हजारों वर्षों से न केवल अनेकता में एकता के दर्शन का प्रचार किया, बल्कि उसे जीया और आत्मसात भी किया।

अपने मानस पुत्रों को समझाएं मोहन भागवत : उदयवीर सिंह

सपा नेता उदयवीर सिंह ने सवाल किया जो ये विवाद पैदा कर रहे है और नए-नए मुद्दे उठा रहे है वो वैचारिक रूप से उन्हीं से जुड़े हुए है। फिर उनके कहने पर भी ऐसा क्यों हो रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली और उत्तर प्रदेश में मोहन भागवत के मानस पुत्रों की ही सरकार है, जो लोग विवाद पैदा कर रहे है नए-नए मुद्दे उठा रहे हैं वो वैचारिक रूप से उन्हीं से जुड़े हुए लोग है तो उन सबके कहने के बावजूद यह क्यों हो रहा है? उन्होंने कहा कि देश में कानून बना है इसके खिलाफ और स्पष्ट है कि 1947 के पहले जो स्थिति थी वही बनी रहेगी इसके बावजूद ऐसा हो रहा है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है और मोहन भागवत को अपने मानस पुत्रों को समझाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी और उनके आनुवांशिक संगठन और उनके सारे लोग तरह-तरह के प्रयोग करते रहते हैं। उदयवीर सिंह ने कहा कि ये लोग एक हाथ से विवाद भी पैदा करते रहते है दूसरे हाथ से और विवादों से नाराज होने वाले लोगों को समझने सुलझाने और उनको मैनेज करने के लिए तरीके का बयान भी देते रहते है। यह एक वैचारिक और कानूनी विषय है। इस पर स्पष्ट रूप से भाजपा को एक लाइन लेनी चाहिए और स्पष्ट रूप से जो लोग कर रहे है उसको बंद करना चाहिए।

कलयुगी बेटे ने मां और चार बहनों की कर दी हत्या

» लखनऊ में नए साल के पहले दिन घटी दर्दनाक घटना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नए साल की मौके पर एक बड़ी घटना घट गई है। नए साल के मौके पर राजस्थानी लखनऊ में पांच लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में सभी महिलाएं हैं। आरोपी ने जिन लोगों को मारा है उसमें उसकी मां और चार बहनें शामिल है।

इस घटना की जानकारी मिलते ही पूरा लखनऊ शहर दहल गया है। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक थाना नाका क्षेत्र स्थित होटल शरणजीत में आरोपी अरशद (उम्र 24 वर्ष) ने अपने परिवार के पांच महिलाओं की हत्या करती है। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अपनी मां अस्मा समेत बहन आलिया (उम्र 9 वर्ष), अल्शिया (उम्र 19 वर्ष), अक्सा (उम्र 16 वर्ष) और रहमीन (उम्र 18 वर्ष) को मौत के घाट उतार दिया है। इस घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस घटना स्थल पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू की। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है।

मजबूरी में ये कदम उठाया : असद

मेरा नाम असद है... आज बस्ती वालों की वजह से मजबूरी में हमने ये कदम उठाया। अपने हाथों से मां और बहन को मारा है। इसके जिम्मेदार बस्ती वाले हैं। हमारा घर इन लोगों ने छीनने के लिए न जाने कितने-कितने जुल्म किए। हमने आवाज उठाई तो हमारी किसी ने नहीं सुनी। 10-15 दिन हो गए, सर्दी में भटकते हुए। योगी जी से ये निवेदन है कि इन जैसे मुसलमानों को नहीं छोड़ें, पूरी बस्ती मौत की जिम्मेदार है। मौत के जिम्मेदार रानू उर्फ आफताब अहमद, अलीम खान, सलीम खान, ड्राइवर, अहमद, अजहर और उसके और रिश्तेदार हैं, जो लड़कियों को बेचते हैं। इन लोगों का प्लान था कि हम लोगों को जेल पहुंचाकर हमारी बहनों को बेचेंगे। हम ये नहीं चाहते थे।

आरोपी ने सीएम से किया निवेदन

पीएम मोदी, सीएम योगी जी...हर मुसलमान एकसा नहीं होता है। हिंदुस्तान के अंदर फिर किसी परिवार को ऐसा नहीं करना पड़े। जीते जी नहीं तो मरने के बाद इंसाफ दे दीजिए। आप सच्चे हिंदू और ठाकुर हैं। तो मेरे घर में मंदिर बनना चाहिए। बाप के साथ मिलकर बहनों को मारा है। उसने आगे कहा कि न जाने कितने गरीब लोगों की बेटियां इन लोगों ने उठाकर बेच दीं। बस्ती वालों ने चौकी अपने हाथ में ले रखी है। पुलिसकर्मियों को पैसा देकर बच जाते हैं।

लोगों के अधिकारों के लिए पार्टी का संघर्ष जारी रहेगा : ममता बनर्जी

» तृणमूल कांग्रेस का 26वां स्थापना दिवस मना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बुधवार को अपना 26वां स्थापना दिवस मनाया। पार्टी की स्थापना एक जनवरी 1998 को हुई थी। इस अवसर पर टीएमसी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य के लोगों के अधिकारों के लिए पार्टी का संघर्ष जारी है और भविष्य में भी जारी रहेगा।

ममता बनर्जी ने फेसबुक पर लिखा, सबसे पहले मैं आप सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। इसके साथ ही आज हमारी पार्टी का स्थापना दिवस भी है। इस वर्ष के स्थापना दिवस के अवसर पर मैं आपके साथ अपना लिखा और संगीतबद्ध किया एक गीत साझा कर रही हूं। यह गीत प्रसिद्ध गायक इंद्रनील सेन ने गाया है। बंगाल के लोगों के अधिकारों के लिए हमारा संघर्ष जारी है और आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा। जय हिंद! जय बांग्ला! वंदे मातरम! तृणमूल कांग्रेस जिंदाबाद! मां-माटी-मानुष जिंदाबाद।। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने लिखा, टीएमसी देश और राज्य के लोगों के कल्याण के लिए समर्पित है। मैं सभी टीएमसी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और बलिदान को सलाम करता हूं। वे हमारी पार्टी की रीढ़ हैं। नए साल में, आइए भविष्य के संघर्षों के लिए, नए जोश के साथ तैयारी करें। 1998 में स्थापित टीएमसी 2011 में वाम मोर्चा सरकार को हराने के बाद पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज हुई थी।

महाराष्ट्र के जलगांव में बवाल दो गुटों के बीच हुआ पथराव

» मंत्री के परिवार को ले जा रही गाड़ी के हॉर्न बजाने पर हुआ विवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के जलगांव में दो गुटों के बीच पथराव का मामला सामने आया है। शिवसेना के मंत्री गुलाबराव पाटिल के परिवार को ले जा रहे वाहन की ओर से हॉर्न बजाने को लेकर दो गुटों के बीच तनाव बढ़ गया।

जानकारी के अनुसार, जलगांव जिले के पलाधी गांव में मंगलवार की रात को पथराव और आगजनी की घटना हुई। यह विवाद तब शुरू हुआ जब मंत्री गुलाबराव पाटिल के परिवार को ले जा रहे वाहन के चालक ने हॉर्न बजाया, जिससे लोग नाराज हो गए। इसके बाद ग्रामीणों और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच कहासुनी हो गई। गुस्साई भीड़ ने पथराव किया और दुकानों और वाहनों में आग लगा दी। जलगांव के कई इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने करीब 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और करीब 10 लोगों को हिरासत में लिया है।

लगाया गया कर्फ्यू

जलगांव एसपी कविता नेरकर ने बताया कि गांव में कल शाम 6 बजे तक के लिए कर्फ्यू लगाया गया है। मंगलवार की रात धारण गांव पुलिस स्टेशन के अंतर्गत पर्दा गांव में दो गुटों के बीच मामूली विवाद पर झगड़ा हुआ, जिसमें कुछ दुकानों में आग लगा दी गई।

निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मियों का हल्लाबोल

» नए साल के पहले दिन पूरे प्रदेश के बिजली कर्मियों ने मनाया काला दिवस

» सीएम योगी से की मामले में हस्तक्षेप करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा सरकार के मनमानी के खिलाफ बिजली विभाग के कर्मचारियों ने पूरे प्रदेश में काला दिवस मनाया है। बुधवार को पूर्वांचल और दक्षिणांचल के बिजली निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मी भारी संख्या में जुटे। नये साल के पहले दिन कर्मियों ने सुबह बांह पर काली पट्टी बांध कर कार्य किया।

इस दौरान विभिन्न निगमों में कार्मिकों के खिलाफ हो रहे उत्पीड़नात्मक कार्रवाई का भी विरोध किया गया। बिजली कर्मियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पूरे मामले में हस्तक्षेप करने की भी मांग की है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से प्रदेश के बिजली कर्मी नए साल के पहले दिन को काला दिवस के रूप में मनाएंगे। इसके तहत काली पट्टी बांध कर मानव श्रृंखला बनाएंगे।

पॉवर कार्पोरेशन के अध्यक्ष और शीर्ष प्रबंधन का सामाजिक बहिष्कार भी करेंगे। समिति के पदाधिकारियों राजीव सिंह, जितेन्द्र सिंह गुर्जर, गिरीश पांडेय, महेन्द्र राय, सुहैल, रामकृपाल यादव आदि ने बताया कि बुधवार को बिजली कर्मी भोजनावकाश के दौरान अपने कार्यालय के बाहर आकर काली पट्टी बांधे हुए मानव श्रृंखला बनाकर शांति पूर्वक अपना विरोध दर्ज करेंगे। इस दौरान अनावश्यक तौर पर बड़े पैमाने पर निलंबन और उत्पीड़न के विरोध का भी विरोध किया जाएगा। इसके बाद पांच जनवरी को प्रयागराज में बिजली पंचायत होगी।

पहले पदोन्नति में आरक्षण छिना और अब पद खत्म करने की तैयारी

उत्तर प्रदेश पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन की मंगलवार को फील्ड हास्टल में हुई बैठक में तय किया गया कि उपभोक्ता हितों का ध्यान रखते हुए बांह पर काली पट्टी बांध कर कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले पदोन्नति में आरक्षण छीना गया और अब पीपीपी मॉडल के जरिए पिछड़े व दलित वर्ग के अभियंताओं के पद खत्म करने की तैयारी है। इसका हर स्तर पर विरोध किया जाएगा।

अन्य राज्यों में हुआ एक घंटे कार्य बहिष्कार

नेशनल को ऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रीसिटी इम्प्लॉइज एंड इंजीनियर्स की ओर से ऑल इंडिया पॉवर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि देशभर के बिजली कर्मियों ने मंगलवार को दोपहर 12:00 बजे से 01:00 बजे तक कार्य बहिष्कार कर उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़ और राजस्थान के बिजली कर्मचारियों के समर्थन में अपनी एकजुटता दिखाई। इसमें उत्तर प्रदेश में बिजली कर्मचारियों के साथ हुए दो समझौतों का खुला उल्लंघन करने और पूर्वांचल व दक्षिणांचल के निजीकरण के निर्णय का विरोध किया गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com
website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।